राष्ट्रीय सेवा भारती

www.rashtriyasewabharati.org | वर्ष 2024, कृष्ण पक्ष (भाद्रपद) विक्रम संवत - 2081, सितम्बर | ई बुलेटिन मासिक

गत माह में स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन एवं जन्माष्टमी का त्यौहार पुरे भारत में बड़े हर्षोल्लास के साथ बनाया गया। त्यौहारों और कार्यकमों की कुछ झलकियाँ :-

प्रान्त : जम्मू

छात्रावास के छात्रों द्वारा स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम मनाया गया

प्रान्त : हरियाणा

श्री निलियम आवसीय परिसर गुरुग्राम में जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया

प्रान्त : मध्य भारत

नानक मंडल में सम्मान समारोह में समूह की महिलाओं ने स्टाल लगाए

प्रान्त : पंजाब

बाल संस्कार केंद्र एवं भगवान वाल्मीकि सिलाई केंद्र पर स्वतंत्रता दिवस पर रंगा रंग कार्यक्रम

प्रान्त : पश्चिम महाराष्ट्र

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण एवं भारत माता पूजन कार्यक्रम का आयोजन

प्रान्त : अवध

सेवा भारती अवध प्रांत द्वारा लखनऊ में संचालित छात्रावास में रक्षासूत्र त्यौहार का आयोजन

13122	शिक्षा
7343	स्वास्थ्य
5808	सामाजिक
4556	स्वावलम्बन

सेवा कार्यवृत्त

“ नर सेवा नारायण सेवा का मूल ध्येय लेकर समाज में वंचित, अभावग्रस्त, उपेक्षित एवं पीड़ित लोगों के सर्वांगीण विकास हेतु राष्ट्रीय सेवा भारती सतत कार्यरत है। यह नगरीय - झुग्गी झोपड़ी एवं पुनर्वास बस्तियों में समाज कल्याण कार्यक्रम जैसे नि:शुल्क चिकित्सा, नि:शुल्क शिक्षा, कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से भी कार्यरत है। देशभर में राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा **30829** सेवा कार्य चलाए जा रहे हैं। ”

प्रान्त : जोधपुर

सेवा भारती संस्थान बीकानेर द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर कार्यक्रम

प्रान्त : हिमाचल

स्वतंत्रता दिवस पर छात्रावास में कार्यक्रम का आयोजन।

प्रान्त : जम्मू

दिशा छात्रावास कटरा में छात्रों द्वारा रक्षाबंधन के त्यौहार के लिए राखियां बनाते हुए

दिशा छात्रावास में दुर्गा वाहिनी मातृशक्ति द्वारा रक्षाबंधन पर बच्चों को राखियां बांधी

सेवा बस्ती में रहने वाले लोगों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया

छात्रावास में हर्षोल्लास से स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

वैभवश्री केन्द्रीय टोली की बैठक छत्रपति संभाजीनगर (महाराष्ट्र)

राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा वैभवश्री की केंद्रीय टोली बैठक 22 जुलाई 2024 को छत्रपति संभाजी नगर में आयोजित की गयी। बैठक में वैभवश्री गतिविधियों की वर्तमान स्थिति, गतिविधियों का विस्तार, उपलब्धियां और क्षेत्र में आने वाली मुख्य समस्याओं और चुनोतियों जैसे विषय शामिल रहे, तथा आगामी वर्ष की योजना और आगे के तरीकों पर व्यापक चर्चा हुई। प्रान्तों में समितियों की वर्तमान स्थिति के आधार पर योजना बनाई जाये और कार्य योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए गतिविधियों पर कार्य करना रहा। बैठक का समापन सत्र श्री सुधीर कुमार अ.भा. संगठन मंत्री राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा लिया गया, जिसमें उन्होंने बताया कि वैभवश्री समूहों में सामाजिक और आर्थिक पहलुओं के बीच संतुलन है और वैभवश्री को मनुष्य, बुद्धि और आत्मा के विकास के लिए बनाया गया है और इसमें आत्मनिर्भरता बहुत महत्वपूर्ण है।

"सेवा है यज्ञ कुण्ड, समिधा बन हम जले"

के भाव से आपदा राहत कार्य में जुटे स्वयंसेवक

प्रान्त : गुजरात

हाल ही में उत्तराखंड में बाढ़ से पहले भी वायनाड में 300 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है, चाहे वह असम में बाढ़ हो या उड़ीसा में ट्रेन दुर्घटना, कच्छ में भूकंप या मोरबी में बाढ़, उनके बंग्हो की भाषा और जाति हर आपदा में संकट में फंसा अपना देश - क्षेत्रीय मतभेदों से परे दिल से सेवा करना ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों का जीवन मंत्र बन गया है स्वयंसेवक नित्यसखा। इसी कड़ी में जब गुजरात सरकार ने जन्माष्टमी और सप्तमी, अष्टमी के दिन भारी से भारी बारिश की चेतावनी जारी की, तब सौराष्ट्र के राजकोट-मोरबी, जामनगर और दक्षिण गुजरात के वडोदरा के स्वयंसेवकों ने अपने परिवारों के साथ बाहर जाने के बजाय, बाढ़ में फंसे नागरिकों, माताओं-भाईयों, बच्चों आदि को बाहर निकालने के लिए अग्रिम योजना के साथ काम करना शुरू कर दिया। भूखों को खाना खिलाने के लिए रसोई की व्यवस्था की गई और रसोई में पानी डाला गया, दूर-दराज की झोपड़ियों में रहने वाले लोगों के लिए भोजन के पैकेट में चावल आदि की व्यवस्था की गई। खबर लिखे जाने तक जामनगर, लालपुर, कलावड, पदधारी आदि इलाकों में बचाव अभियान चलाकर करीब 75 से 80 लोगों को बचाया जा चुका था और प्रसूता माताओं को करीब 2000 खाने के पैकेट अस्पताल मोरबी में वितरित किया गया, इसके अलावा, राजकोट, टंकारा और जामनगर में प्रतिदिन 500-1000 लोगों को भोजन की व्यवस्था की गई। बिरयानी बनी महल्ले में करीब 100 से 150 स्वयंसेवक भोजन वितरण का काम किया। इसके अलावा प्रभावित इलाकों में व्यवस्था के साथ राहत-बचाव कार्य भी किया गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए भविष्य में भी यह सेवा जारी रहेगी, गुजरात पर आई इस आपदा में सभी जगह तंत्र, धर्मार्थ सामाजिक-धार्मिक संगठनों से जुड़कर स्वयंसेवक अपने खर्च पर **'सेवा है यज्ञ कुंड, समिधा सम हम जले'** के भाव से इस सेवा कार्य में जुटे रहे।.

प्रान्त : चित्तौड़

दिनांक: 3, 4 अगस्त 2024 सेवा भारती चित्तौड़ प्रान्त के तत्वावधान में प्रकल्प शिक्षकों का प्रशिक्षण वर्ग संपन्न हुआ।
इस वर्ग में 13 प्रशिक्षकों व 69 प्रकल्प शिक्षिकाओं ने भाग लिया।सभी सत्रों में गटानुसाय शिक्षिकाओं को पाठ्यक्रम का अभ्यास करवाते हुए विभिन्न मन्त्रों को सिखाया गया। खेल सत्र में विविध मनोरंजक ज्ञानवर्धक खेलों को सिखाया गया। रात्रि सत्र के भारत माता पूजन कार्यक्रम में भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने के लिए चर्चा हुई। दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में व्यवस्थाये उचित और गुणवत्ता पूर्ण रही, जिसमें 10 प्रबंधको का विशेष योगदान रहा।

प्रान्त : जोधपुर

सेवा भारती जोधपुर द्वारा दिनांक 25 सितम्बर 2024 को महिला एवं किशोरी विकास कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया। वर्ग में 13 जिलों से 45 बहीने उपस्थित रही।

प्रान्त : मालवा

दिनांक 10 अगस्त 2024 को सेवा भारती इंदौर के कार्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में संकल्प कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र के विद्यार्थियों को उनके सफलतापूर्वक कोर्स पूरा करने पर प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में कुल 30 विद्यार्थी उपस्थित थे।

प्रान्त : जम्मू कश्मीर

जम्मू, सेवा भारती जम्मू-कश्मीर द्वारा **"छात्रावास कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग"** बाल निकेतन, वेद मंदिर के सहयोग से तीन दिवस का वर्ग का आयोजन किया गया। इस वर्ग में सेवा भारती के 13 छात्रावास में 55 से अधिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रान्त : उत्तर असम

सेवा भारती पूर्वांचल द्वारा दिनांक 16 से 18 अगस्त 2024 तक तीन दिवसीय किशोरी विकास पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें किशोरियों के स्वास्थ्य - स्वच्छता, किशोरियों और बाल अधिकार, मानसिक, सुरक्षा, साइबर अपराध और उनकी रोकथाम से सम्बंधित विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया । कार्यक्रम में असम बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य, स्त्री रोग विशेषज्ञ और पुलिस अधिकारी मुख्य अथिति के रूप में उपस्थित रहें।

प्रान्त : उत्तर तमिलनाडु

सेवा भारती उत्तर तमिलनाडु - चेन्नई के कोरात्तुर में निःशुल्क शिक्षा केंद्र शिक्षक वर्ग आयोजित किया गया। वर्ग में अनुभव साझा करना, समूह चर्चा, शिक्षण पद्धति, छात्रों का प्रारंभिक मूल्यांकन, शिक्षकों की भूमिका और शिक्षकों को वैदिक गणित का प्रशिक्षण जैसे विषय लिए गए। वर्ग में 120 सदस्यों (95 शिक्षक और 25 कार्यकर्ता) ने भाग लिया।

प्रान्त : मालवा

सेवा भारती मालवा प्रान्त सेवा भारती कन्या छात्रावास "सेवा मंदिर ", नीमच की बालिका बनी कराटे विजेता दिनांक 28/08/2024 को शा.बा.क्र.2 विद्यालय में चलने वाली जिला स्तरीय(अंडर 17) कराटे प्रतियोगिता में "सेवा मंदिर छात्रावास" की कक्षा 9 वीं की बालिका कुमारी सीमा सिंगाड ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विजेय प्राप्त की।

प्रान्त : कानपुर

सेवा भारती कानपुर द्वारा परीक्षार्थियों की भोजन व्यवस्था में प्रतिदिन 5000 परीक्षार्थियों को भोजन वितरण किया गया

प्रान्त : हरियाणा

सेवा भारती हरियाणा में सेवाश्री आश्रम करनाल द्वारा एक और नए उन्नत सिलाई केंद्र की शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में सेवा भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री सुधीर कुमार की विशेष उपस्थिति रही। इस केंद्र में कोर्स की अवधि छह माह की रहेगी। एक बैच में 20 विद्यार्थी एक साथ सिलाई सीख सकेंगे। यहां सभी प्रकार की आधुनिक व आटोमेटिक सिलाई मशीनें व अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। आधुनिक मशीनों द्वारा सभी तरह के डिजाइनर वस्त्रों की सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रान्त : जम्मू

सेवा भारती जम्मू-कश्मीर को नई दिल्ली में जेएसआई द्वारा आयोजित 'एडवांसिंग लोकलाइजेशन इवेंट शीर्षक 'एडवांसिंग लोकलाइजेशन एडाप्ट इनेबल, एम्पावर' में मोमेंटम रूटीन टीकाकरण परिवर्तन और इक्विटी प्रोजेक्ट के लिए प्रशंसा का प्रतीक प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया है। जिसमें सेवा भारती जम्मू-कश्मीर हाशिए पर मौजूद आबादी तक अपनी पहुंच बढ़ाने में सक्षम रही है, जिससे कोविड-19 टीकाकरण और नियमित टीकाकरण तक समान पहुंच सुनिश्चित हो सकी है।

आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान

घुमन्तु जाति उत्थान न्यास- राजस्थान

जयपुर प्रान्त

■ **श्री महेंद्र सिंह**

यह कहानी है ऐसे लोगों की जिनका न घर है न ठिकाना और न ही राष्ट्रीय पहचान का कोई सूत्र। भारत के इतिहास के शूरवीर योद्धा; आक्रान्ताओं से प्रथम पंक्ति में लोहा लेने वाले सुरक्षा के लिए एक बार घर छोड़ कर क्या निकले देश के आजाद होने के लम्बे अन्तराल तक विजनों एवं नगर गाँव के किनारे या बस्तीयों के बाहर ही जीवन यापन कर रहे। सर्व समाज में भारत के हित चिंतन की धारा के व्यक्ति इन वंचित, पीड़ित, उपेक्षित एवं अभावग्रस्तों को कैसे नजर अंदाज कर सकते थे। इनको सेवा द्वारा सबल बना राष्ट्र की मुख्य धारा में स्थापित करने 'विमुक्त घुमन्तु उत्थान' के संकल्प के साथ निकले थे। देश के अनेक भागों में इनके उत्थान की सफल कहानियाँ हैं और ये कहानियाँ उस समय और प्रभावी बन जाती है जब कल का सेवित जन आज का सेवक भी बन जाये। आओ कुछ ऐसी ही अनसुनी जीवन स्थापना के मंत्रों की कहानियाँ सुनाते हैं -

घुमन्तु विभाग अलवर, जयपुर प्रांत

घुमन्त स्वरोजगार केन्द्र, यहाँ गाड़ीयों में घुमन्तु जीवन यापन करने वाले राणा प्रताप के सिपाही एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते रहते हैं। संघ के स्वयंसेवक घुमन्तु जाति सेवा के लिए विभाग का कार्य देखने वाले अश्विन जी ने इन गाडिया लुहारों से सम्पर्क किया। कई सप्ताह के स्नेहिल व्यवहार से अपनी व्यथा की कथा इन लोगों ने खोलना शुरू किया। लोहे के छोटे-छोटे कृषि औजार बनाकर बेचने से गुजारा हो जाता था पर अब वह भी सम्भव नहीं रहा। अश्विन जी ने सभी पक्षों पर चर्चा जारी रखी एवं एक दिन बालकों की पढ़ाई लिखाई की बात शुरू की तो पता चला विद्यालय दूर है और बच्चों का अन्य के साथ बैठने में संकोच आदि कठिनाइयाँ आने की बात हुई। तय हुआ एक बाल संस्कार शुरू करते हैं। इसका नाम रखा 'पन्नाधाय बाल संस्कार केन्द्र'। यहाँ सायं 4 से 5 बजे तक पढ़ाई, खेलकूद, गीत, कविता एवं संस्कारों के साथ बच्चों को आनन्द आने लगा। बालकों के बाद बातचीत में नम्बर आया बड़ों का। बात रोजगार के साधन क्या हों के साथ शुरू हुई और मिलकर निर्णय हुआ कि एक स्थान पर निवास कर रोजगार के लिए कुछ उपक्रम किया जाए। तय हुआ एक युवा रोहिताश लुहार को हाथ ठेला पर सब्जी बेचने का कार्य करना चाहिए। रोहिताश को यह कार्य पसंद आया। सब्जी के साथ फलों की बिक्री का कार्य भी शुरू किया। प्रति दिन अच्छी आमदनी होने से परिवार आर्थिक तंगी से उबरने लगा। रोहिताश ने अपने बेटे राज और बेटी संजू लोहार को स्वयंसेवकों के सहयोग से आदर्श विद्या मंदिर में अध्ययन के लिए प्रवेश दिलाया। अब संजू और राज कक्षा 6 में पढ़ रहे हैं। दर बदर भटकने वाला रोहिताश किराये का मकान लेकर रहने लगा है | परिवार के पास आज पहचान के लिए आधार, जनाधार, आरोग्य कार्ड, राशन कार्ड आदि हैं। रोहिताश सभी प्रकार के व्यसनों से मुक्त होकर समाज की मुख्य धारा में जीवन जी रहा है।

रोहिताश कहता है। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि इतनी मान सम्मान की जिन्दगी के साथ आनन्द से अपने परिवार को संभाल सकूँगा।" रोहिताश अक्सर अपमान, उपेक्षा एवं दर-बदर जिंदगी का आदी हो गया था। पेट की भूख से अधिक सम्मान की भूख की पूर्ति समाज से होने के कारण बात करते करते कभी-कभी चुपके से गीली आँखें पोंछ जाता है। इस बस्ती में कुल 23 हाथ ठेले देकर युवाओं को रोजगार से जोड़ा गया है। सभी की कहानी रोहिताश के जैसी है।

अब पिछडी बस्तीयों, घुमन्तु समाज के रोहिताशों की भूख अपने देश

समाज के लिए कुछ करने की। इसी को पहचान कर उस बस्ती के अन्य युवा जिनमें शरती लुहार, राज लुहार (कक्षा 11वीं) एवं संजय लुहार (कक्षा 12वीं) अध्ययन करते हुए राष्ट्र की मुख्य धारा में जीवन जीने का सपना सजो अपने देश, समाज के लिए अधिकतम समय अर्पण कर रहे हैं। आज बस्ती के अधिकतर लोगों की पहचान सम्मानित समाज जन के साथ आधार, जनाधार, राशन कार्ड, चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना जेसे अनेक पहलुओं के साथ सरकार की स्वावलम्बी जीवनदायी योजनाओं से जुड़ चुके हैं। यह बस्ती अग्रसेन चौराहा बस्ती अब खुशहाल घुमन्तु परिवारों का ठिकाना बन गई है। अब प्रश्न है की इस सब का निमित्त कौन ?

ये सब कार्य घुमन्तु जाति उत्थान न्यास, राजस्थान के द्वारा संचालित है।

स्वावलम्बी आत्मनिर्भर समाज बनाने हेतु घुमन्तु जाति के लिए कुछ प्रयास -

- छात्रावास - 10
  (इनमें कुल 225 छात्र अध्ययन कर रहे हैं)
- बाल संस्कार केन्द्र - 20
- चिकित्सा प्रकल्प - 5
- स्वावलम्बन केन्द्र - 1

सरकारी योजना के साथ प्रयास

- आवास पट्टे दिलवाये - 27 परिवारों को
- आधार कार्ड बनवाए - 2000 व्यक्ति
- जनआधार कार्ड बनवाए - 5000 परिवार
- मतदान पहचान पत्र -2000
- व्यक्ति श्रमिक कार्ड - 150 व्यक्ति
- राशन कार्ड बनवाए - 1000 व्यक्ति
- जाति प्रमाण पत्र - 1000 व्यक्ति
- मूल निवास - 1200 व्यक्ति
- ई - श्रमिक कार्ड - 4000 व्यक्ति

पेंशन योजना

- वृद्धा – 500
- विधवा - 500 महिलाएँ
- विकलांग - 20 व्यक्ति
- प्रधानमंत्री आवास योजना - 280 परिवार

न्यास का परिचय

हमारी पुरातन समाज व्यवस्था में प्रत्येक बिरादरी का अपने कार्य के आधार पर सम्मानजनक स्थान रहा है। मुगलों की तरह अंग्रेजों द्वारा भी अनेक पराक्रमी जातियों को लक्ष्य बनाकर अत्याचार का शिकार बनाया गया। इन जातियों ने स्वधर्म की पालना के लिए घर छोड कर भयावह जीना स्वीकार किया । अंग्रेजों ने धृष्टतापूर्वक हमारे सामाजिक ताने बाने को ध्वस्त कर दिया। इतिहास को विकृत कर भ्रांत धारणाओं को स्थापित करने का कार्य किया। जिस कारण पराक्रमी हिंदू समाज अभिशप्त एवं अपमान जनक जीवन जीने को विवश हुआ I

1857 के समर में इन ययावर जातियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस कारण 1871 में इन घुमन्तु जनजातियों को अंग्रेजों ने अपराधी घोषित कर दिया। स्वतन्त्रता के पश्चात 1952 में इन घुमन्त जनजातियों को अपराधी कहलाने के अभिशाप से मुक्ति मिली। किंतु आज भी हिन्दू समाज का यह बहुत बड़ा वर्ग सम्मानजनक जीवन जीने की प्रतिक्षा कर रहा है। इन जनजातियों में आत्मपरिष्कार की प्रबल अकुलाहट दिखाई देती है। आज आवश्यकता है कि हम सब मिलकर देश के विकास की मुख्य धारा में पिछड़ गये, अपने घुमन्तु जाति बन्धुओं को हाथ पकड़कर मुख्यधारा में सम्मिलित करें। इसी लक्ष्य की पूर्ति हेतु घुमन्तु जाति न्यास कार्य कर रहा है।

सुपोषण जागरूकता अभियान पोस्टर लोकार्पण

"सर्वे भवन्तु सुखिन:, सर्वे सन्तु निरामया:"

राष्ट्रीय सेवा भारती के उपक्रम सुपोषित भारत के अंतर्गत राष्ट्रीय पोषण माह-सितंबर में सुपोषण जागरूकता अभियान - 01 से 30 सितम्बर 2024 के पोस्टर का लोकार्पण माननीय जगत प्रकाश नड्डा जी-स्वास्थ्य मंत्री (भारत सरकार) द्वारा किया गया।

सुपोषण जागरूकता अभियान

01 से 30 सितम्बर 2024

राष्ट्रीय सेवा भारती
का उपक्रम

सुपोषित भारत

सुपोषित भारत - समर्थ भारत

राष्ट्रीय सेवा भारती के सोशल मीडिया से जुड़ने के लिए QR कोड स्कैन करें

राष्ट्रीय सेवा भारती
वेबसाइट :www.rashtriyasewabharati.org
ईमेल : office@rashtriyasewabharati.org
फोन न. : 011-46523618, मोबाइल न. 09868245005